नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

पत्रांक.....

दिनांक : 29.07.2022

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आज दिनांक 29 जुलाई, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी वनस्पति विज्ञान विभाग ने बताया कि वर्ष 2010 में रूस के पीट्र्सबर्ग में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस में प्रत्येक वर्ष 29 जुलाई को 'विश्व बाघ दिवस' मनाने का निर्णय लिया गया। बाघों की संख्या को बढ़ाने एवं संरक्षण देने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा बाघ संरक्षण जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 13 संरक्षण क्षेत्रों में भारत की उपलब्धि बाघ संरक्षण में उदाहरणीय रही है, और 2018 में ही बाघ की संख्या दूनी करने में सफलता मिली है। प्रोजेक्ट टाइगर 40 से अधिक स्थानों पर लागू किया गया है। 20वीं शताब्दी में 95% बाघों की संख्या में कमी हुयी है, जिसका कारण वासस्थान में ह्रास एवं चमड़े के गैरकानूनी व्यापार रहें हैं। बाघ के नौ प्रजातियों में तीन 'जावा, बाली एवं कैस्पियन' प्रजाति विलुप्त हो चुके हैं। विश्व में 4500 बाघ है जिसमें 2900 बाघ भारत में हैं। इसमें अधिकांश 1.5 वर्ष से 2 वर्ष के शावक हैं। कर्नाटक एवं मध्य प्रदेश बाघों की संख्या की दृष्टि से शीर्ष राज्य हैं। उत्तर प्रदेश में 173 बाघ हैं।

इस अवसर पर विभाग के छात्र–छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहें।

डॉ. सुधा शुक्ला
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी